an>

Title: Need to accord the status of Central University to Vikram University, Ujjain, Madhya Pradesh.

प्रो.चिंतामणि मालवीय (उज्जैन) : महोदय, उज्जैन प्राचीन काल से ही ज्ञान-विज्ञान एवं शिक्षा का केन्द्र रहा है। इसे भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली और महाकवि कालीदास की कर्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। प्राचीन भारत के ख्यात नाम विद्वान वराह मिहिर (खगोलविद), वरूचि, क्षपणक, शंकू, घटखर्पर, धन्वंतरि (चिकित्सा विज्ञानी) उज्जैन से ही सम्बन्धित रहे हैं। उज्जैन स्थित विक्रम विश्वविद्यालय सन् 1956 से स्थापित है तथा मध्य प्रदेश का दूसरा सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। 330 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय में कई महत्वपूर्ण संस्थान हैं। जैसे सिंधिया प्राच्य इंस्टीट्यूट प्राचीन भारतीय संस्कृति का केन्द्र है। इसमें 3500 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ हैं तथा भारत सरकार के पाण्डुलिपि संस्थान का भी रिकग्नाइज्ड सैन्टर है। साथ ही यह विश्वविद्यालय बौद्ध स्टडी का भी महत्वपूर्ण केन्द्र है। इस विश्वविद्यालय में केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने की सभी योग्यताएँ हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी एवं माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने की कार्रवाई प्रारम्भ करने की कृपा करें।